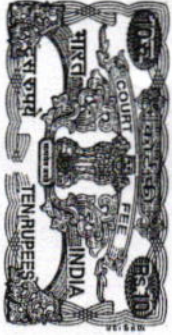


न्यायालय श्रीमान् राजस्व मंडल ग्वालियर मद्रा 1



15/1981-II/16

श्री वीरेंद्र कुमार सिंह द्वारा आज दि 22-6-16 को प्रस्तुत 22-6-16 मन्गवां जिला रीवा मद्रा 1
 क्लर्क ऑफ कोर्ट राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

1- लुशीलाल फ़ैल तनय स्व० माधौ फ़ैल निवासी ग्राम उल्ही क्ला तह०
 2- समयलाल फ़ैल पिता स्व० माधु फ़ैल निवासी ग्राम उल्ही क्ला तह०
 मन्गवां जिला रीवा मद्रा 1

निगरानी कर्ता / आवेदकगण।

बनाम

- 1- जगन्नाथ फ़ैल पिता परमेश्वरदीन फ़ैल
- 2- जय फ़ैल पिता ठाबुरदीन फ़ैल
- 3- रामखेलावन पिता ठाबुरदीन फ़ैल
- 4- बृज बिहारी फ़ैल पिता काशी फ़ैल
- 5- राममिलन पिता जगन्नाथ फ़ैल

सभी निवासी ग्राम उल्ही क्ला तहसील मन्गवां जिला रीवा मद्रा 1
 गैर निगरानी कर्ता / अनाउगण।

निगरानी विरुद्ध आदेश न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी मन्गवां के अपील प्र०क्र०23ए27/2015-16 पारित आदेश दिनांक 19-05-16 .

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 मद्रा 1 संश्लिषा

22-6-16

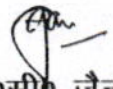
(Handwritten signature)

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
आदेश पृष्ठ
भाग - अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 1981-दो/2016

जिला रीवा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकर्ता एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
06-9-2016	<p>आवेदक अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया।</p> <p>2/ आवेदक द्वारा यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी के प्रकरण क्रमांक 23/अ27/2015-16 में पारित आदेश दिनांक 19-5-16 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। तर्कों के परिप्रेक्ष्य में प्रकरण में उपलब्ध आदेश की सत्यापित प्रति का अवलोकन किया जिससे प्रकट होता है कि प्रकरण दिनांक 17-3-16 को अदम पैरवी में खारिज होने के बाद आवेदकगण ने अस्वस्थ होने एवं अभिभाषक अन्य न्यायालय में व्यस्त होने संबंधी तर्कों के साथ आवेदन दिया जिसपर अनुविभागीय अधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हुये आवेदक द्वारा तर्क के समर्थन में मेडिकल प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया है तथा आवेदक अधिवक्ता तहसील कार्यालय में ही वकालत करते हैं वे प्रकरण में आगे-पीछे उपस्थित हो सकते थे। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन समय-सीमा से बाहर होने से प्रकरण खारिज किया गया। अदम पैरवी में खारिज हुये प्रकरण के विरुद्ध प्रस्तुत प्रकरण भी समय-सीमा एवं बिना दस्तावेजी प्रमाण के प्रस्तुत किये जाने के कारण अनुविभागीय अधिकारी ने प्रकरण को समय-सीमा के बाहर मानकर खारिज किया है जिसमें कोई अवैधानिकता अथवा अनियमितता परिलक्षित नहीं होती है। अतः इस निगरानी में ग्राह्यता के आधार प्रकट नहीं हो से अग्राह्य की जाती है। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	


(के०सी० जैन)
सदस्य